11 अप्रैल 2026
शनिवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

भोजपुर-बक्सर एमएलसी उपचुनाव का बजा बिगुल, 12 मई को मतदान

2



## एक/नजर

### भारत लाया जा रहा है मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान

**नई दिल्ली।** भारत ने कानून एजेंसियों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान भारत लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, साहिल चौहान को थाईलैंड से डिपोर्ट कर के भारत लाया जा रहा है। वह शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचते ही साहिल चौहान को हरियाणा एसटीएफ अपनी कस्टडी में लेगी। आपको बता दें कि कुख्यात गैंगस्टर साहिल चौहान केंद्रीय एजेंसी ठक्अ का भी वांटेड है। साहिल चौहान आरोपी हरियाणा की जेल में बन्द कौशल चौधरी गैंग का गैंगस्टर है। उसके ऊपर विदेशी धरती से कई कांट्रेक्ट किलिंग करवाने का आरोप है। हाल ही में सेंट्रल एजेंसियों और हरियाणा पुलिस ने साहिल चौहान को विदेश में गिरफ्तार करवाया था। अब उसे विदेश से डिपोर्ट करवाकर दिल्ली एयरपोर्ट लाया जा रहा है।

### जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

**इलाहाबाद।** इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इससे पहले उनका दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट तबादला (ट्रांसफर) कर दिया गया था. ये तबादला उनके आवास पर कथित तौर पर जले हुए नोट मिलने के विवाद के बाद हुआ था. जस्टिस वर्मा ने 5 अप्रैल, 2025 को ही इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के तौर पर शपथ ली थी. उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह का खुलासा नहीं किया. हालांकि उन्होंने इस पद पर सेवा करने को अपने लिए सम्मान की बात बताया. जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने त्यागपत्र में लिखा, 'मैं आपके सम्मानित दफ्तर को उन कारणों के बारे में नहीं बताना चाहता जिसकी वजह से मुझे ये पत्र पेश करना पड़ रहा है. फिर भी बहुत दुख के साथ मैं इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे रहा हूं.' रअसल 14 मार्च 2025 दिल्ली में जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के एक स्टोररूम में आग लग गई थी।

# असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91% वोटिंग

- **पुडुचेरी में करीब 90% मतदान**
- **केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा वोटिंग**

**एजेंसी। नई दिल्ली**

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए बंपर वोटिंग हुई। 1950 में असम के बनने के बाद से राज्य में सबसे ज्यादा 85.91% वोटिंग हुई। इससे पहले 2016 में 84.7% मतदान हुआ था। वहीं, पुडुचेरी में आजादी के बाद सबसे ज्यादा 89.87% मतदान हुआ। इससे पहले का रिकॉर्ड 85% (2006, 2011 और 2016 विधानसभा चुनाव) का था। केरलम में 1987 के बाद यानी पिछले 39 सालों में सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.27% वोट डाले गए। 1987 में रिकॉर्ड 80.54% मतदान हुआ था। वोटिंग परसेंट के आंकड़े 10 अप्रैल की सुबह 8.00 बजे तक के हैं। चुनाव आयोग का फाइनल आंकड़े जारी करना बाकी है।असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवारों का भाग्य का फैसला होगा। 35 जिलों में से 26 से ज्यादा जिलों में 80% से ऊपर वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 95.56% मतदान साउथ सलमारा मनकचर जिले में हुआ। सबसे कम 75.25% वोटिंग वेस्ट कार्बी आंगलॉन्ग में हुई। असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम समाज का 95 से 96% वोट प्रतिशत हुआ करता था। बाकी असमिया समाज में 75-76% तक वोट प्रतिशत होता था।

### सीएम हिमंता बोले- असमिया समाज वोटर की वजह से बढ़ा मतदान

असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम समाज का 95 से 96% वोट प्रतिशत हुआ करता था। बाकी असमिया समाज में 75-76% तक वोट प्रतिशत होता था। इस बार दोनों समाज के बीच प्रतियोगिता रही। पारंपरिक तौर पर जो समाज सक्रिय मतदान करता है, उन्होंने ज्यादा मतदान किया। जिस समाज में पारंपरिक तौर पर कम मतदान होता है, उसने भी बढ़-चढ़कर मतदान किया है।

## हिमाचल के कांगड़ा में दर्दनाक हादसा

# 100 फीट गहरी खाई में गिरी ट्रैक्टर ट्रॉली, 3 की मौत 13 घायल

**एजेंसी। नई दिल्ली**

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, जिले के देहरा में एक सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है और 26 लोग घायल हो गए हैं। ये हादसा देहरा में ढलियारा के पास तब हुआ जब एक ट्रैक्टर ट्रॉली 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार, सभी ट्राली सवार लोग कपूरथला से माता चिंतपूर्णी के दर्शन कर के ज्वालामुखी जा रहे थे और फिर हादसे का शिकार हो गए। सामने आई जानकारी के अनुसार, ये हादसा गुरुवार को हिमाचल के कांगड़ा जिले में देहरा के ढलियारा में स्थित शिव मंदिर के पास तीखे मोड़ पर हुआ। एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। बताया जा रहा है कि सभी लोग पंजाब के कपूरथला से आए थे और माता चिंतपूर्णी के दर्शन करने के बाद ज्वालामुखी की ओर जा रहे थे।

## केरल चुनाव में नई पहल, बच्चों और महिलाओं के लिए खास ग्रीन पोलिंग

# नीतीश कुमार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ, चारों सदनों के सदस्य बनने का बनाया रिकॉर्ड

**एजेंसी। नई दिल्ली**

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब आधिकारिक तौर पर राज्य सभा के माननीय सदस्य बन गए हैं। शुक्रवार को संसद भवन में आयोजित एक समारोह में उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने ठीक 12:15 बजे उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर ठऊअ के कई प्रमुख नेताओं के साथ-साथ बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद नीतीश कुमार संसद भवन से सीधे दिल्ली में कामराज लेन स्थित अपने आवास के लिए रवाना हो गए। आज राज्य सभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने के साथ ही नीतीश कुमार ने एक संसदीय रिकॉर्ड कायम कर दिया है। नीतीश कुमार अब देश के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लोकसभा, राज्य सभा, विधानसभा और विधान परिषद यानी भारतीय लोकतंत्र के चारों सदनों में प्रतिनिधित्व किया है। नीतीश कुमार के संसद सदस्य बनने के साथ ही मुख्यमंत्री पद से उनके इस्तीफे की उलटी गिनती अब शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार, उनका शाम की फ्लाइट से पटना लौटने का कार्यक्रम है। नीतीश कुमार पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि राज्य सभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने के बाद वह अगले कुछ दिनों के भीतर बिहार के मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। जिसके बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। शपथ ग्रहण के बाद नीतीश कुमार की मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ तय है। इस बैठक में बिहार के नए सीएम और नई सरकार के स्वरूप पर चर्चा होने की संभावना है।

### 14 अप्रैल को बन सकती है नई सरकार

अब तक जो जानकारी निकाल कर सामने आ रही है उसके अनुसार नीतीश कुमार 13 अप्रैल को कैबिनेट की अंतिम बैठक करेंगे और 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए मुख्यमंत्री और सरकार के स्वरूप पर मुहर लगेगी। मंत्री विजय कुमार चौधरी पहले ही कह चुके हैं कि नीतीश कुमार राज्य सभा सांसद के तौर पर शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। बस दो-तीन दिन और इंतजार कीजिए।

### कैसा हो सकता है नई सरकार का स्वरूप

सूत्रों के अनुसार, इस नए सत्ता समीकरण में मुख्यमंत्री का पद भारतीय जनता पार्टी के खाते में जाएगा, जबकि जनता दल यूनाइटेड के पास दो उपमुख्यमंत्री के पद होंगे। नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। वहीं, जदयू कोटे से दूसरा उपमुख्यमंत्री पद किसी अनुभवी और वरिष्ठ नेता को सौंपा जा सकता है। मंत्रालयों के बंटवारे में भी आपसी सामंजस्य का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसके तहत गृह विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी एक बार फिर जदयू के पास रह सकती है। सरकार के गठन में संख्या बल को संतुलित रखते हुए भाजपा के मुख्यमंत्री सहित कुल 16 मंत्री और जदयू से भी इतने ही मंत्री बनाए जाने की उम्मीद है। एनडीए के सहयोगी दलों को भी नई सरकार में सम्मानजनक स्थान मिलेगा, जिसमें चिराग पासवान की लोजपा (आर) को दो मंत्री पद, जबकि जीतन राम मांझी की 'हम' और उपेंद्र कुशवाहा की 'रालोमो' को एक-एक मंत्री पद मिल सकता है। इतना ही नहीं विधानसभा अध्यक्ष और विधान परिषद के सभापति के पदों को भी दोनों प्रमुख दलों के बीच बराबर-बराबर बांटने की योजना है।

# गगनयान मिशन का दूसरा क्रू मॉड्यूल टेस्ट हुआ सफल

- **चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी ऊंचाई से छोड़ा गया, पैराशूट के साथ समुद्र में सेफ लैंडिंग**

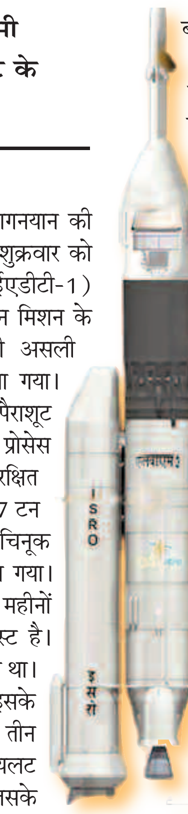

**एजेंसी। नई दिल्ली**

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी में बड़ी कामयाबी मिली है। ईसरो ने शुक्रवार को दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी-1) सफलतापूर्वक पूरा किया। यह टेस्ट गगनयान मिशन के लिए तैयार किए गए पैराशूट सिस्टम की असली परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया गया। इसका मकसद गगनयान मिशन से पहले पैराशूट खुलने के प्रोसेस को चेक करना था। ये प्रोसेस मिशन के समय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी तय करेगा। टेस्ट के दौरान लगभग 5.7 टन वजनी डमी क्रू कैप्सूल को वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी की ऊंचाई से छोड़ा गया। कैप्सूल ने समुद्र में सेफ लैंडिंग की। पिछले 8 महीनों में क्रू कैप्सूल का यह दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट है। पहला टेस्ट 24 अगस्त 2025 को किया गया था। गगनयान ईसरो का ह्यूमन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किमी के ऑर्बिट पर 3 दिन रहेंगे, जिसके बाद हिंद महासागर में स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की लागत करीब 20,193 करोड़ रुपए है। गगनयान मिशन के लिए अभी वायुसेना के चार पायलट्स को चुना गया है, जिनमें से एक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हैं। शुभांशु इसीलिए एक्सियम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए थे। गगनयान के जरिए पायलट्स को स्पेस में भेजने से पहले इसरो दो खाली टेस्ट फ्लाइट भेजेगा। तीसरी फ्लाइट में रोबोट को भेजा जाएगा। इसकी सफलता के बाद चौथी फ्लाइट में इंसान स्पेस पर जा सकेंगे। पहली टेस्ट फ्लाइट इस साल के अंत तक भेजी जा सकती है। शुभांशु शुक्ला Axiom-4 मिशन के तहत 18 दिन क्र्र पर रहने के बाद 15 जुलाई 2025 को सुरक्षित लौटे थे। इसके बाद 17 अगस्त को भारत पहुंचे थे। 18 अगस्त को ढट मोदी ने उनसे मुलाकात की थी। यह मुलाकात करीब 20 मिनट चली थी। नासा के आर्टेमिस क्क्र ने पृथ्वी से सबसे अधिक दूरी तक यात्रा करके किसी भी इंसानी अंतरिक्ष मिशन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह रिकॉर्ड 1970 में अपोलो 13 मिशन में बना था।

# ममता भतीजे को सीएम बनाना चाहती हैं : शाह

**नई दिल्ली।** गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देबरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है। उधर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन इखढ पर नहीं। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में वउउ लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई।

# डुमरांव में जनगणना 2027 को लेकर बैठक, 17 अप्रैल से शुरू होगी स्वगणना

- **अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से किया सहयोग का आह्वान, एचपीवी टीकाकरण पर भी दिया गया प्रशिक्षण**

**केटी न्यूज/डुमरांव**

प्रखंड सभागार डुमरांव में शुक्रवार को जनगणना 2027 के सफल संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 17 अप्रैल से शुरू होने वाली स्वगणना प्रक्रिया एवं 2 मई से प्रारंभ होने वाले व्यापक जनगणना कार्य को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान आमजन के बीच जागरूकता फैलाने और उनके सहयोग को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की। उन्होंने उपस्थित त्रिस्तरीय पंचायत राज के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, कर्मियों तथा डीलर संघ के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्वगणना के प्रति लोगों को जागरूक करें। उन्होंने बताया कि आम नागरिक विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से स्वयं अपने परिवार की गणना कर सकते हैं। इसके लिए एक मोबाइल नंबर से एक ही परिवार का पंजीकरण संभव होगा, इसलिए सही जानकारी दर्ज करना आवश्यक है।

बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद, आपूर्ति पदाधिकारी भरत तिवारी सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने जनगणना कार्य को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय और सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। इसके साथ ही जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचपीवी गार्डिसील टीकाकरण के संबंध में भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक एवं बीसीएम ने इस टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे समाज में महिलाओं और किशोरियों के बीच जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए यह टीका बेहद महत्वपूर्ण है, जो भविष्य में गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। इसलिए अधिक से अधिक बच्चियों को इस योजना का लाभ दिलाना आवश्यक है।

बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने जनगणना एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

## एक नजर

### वन स्टॉप सेंटर भर्ती के लिए 18 अप्रैल को साक्षात्कार

**बक्सर।** जिला प्रोग्राम पदाधिकारी सह सदस्य सचिव, जिला स्तरीय चयन समिति बक्सर की ओर से मिशन शक्ति योजना अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर, बक्सर में विभिन्न रोस्टर प्रभावित रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। विज्ञापन संख्या 02/2024 के तहत इन पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसकी प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदन की जांच के उपरांत स्वीकृत एवं अस्वीकृत अभ्यर्थियों की सूची एनआईसी, बक्सर की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन माध्यम से देख सकते हैं। चयन समिति द्वारा स्पष्ट किया गया है कि केवल स्वीकृत अभ्यर्थियों को ही आगे की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।जिला प्रशासन की ओर से बताया गया है कि स्क्रूटनी एवं दस्तावेज सत्यापन के पश्चात स्वीकृत अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 18 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। यह साक्षात्कार सुबह 11 बजे से उप विकास आयुक्त, बक्सर के कार्यालय प्रकोष्ठ में संपन्न होगा। सभी चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इनमें शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, पहचान पत्र एवं अन्य संबंधित दस्तावेज शामिल हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जिन अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार में भाग नहीं लिया जाएगा, उनके दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय से पूर्व स्थल पर पहुंचकर सभी औपचारिकताएं पूरी करें, ताकि चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के लिए सभी आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

### चौसा में बालू माफियाओं पर कार्रवाई तेज: खनन टीम की छापेमारी में ट्रैक्टर जब्त, 1.05 लाख जुर्माना

**चौसा।** मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा रानी घाट पर अवैध सफेद बालू खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर खनन विभाग की टीम ने छापेमारी कर एक अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया, जबकि अन्य चालक मौके से फरार हो गए। सूत्रों के अनुसार, खनन पदाधिकारी प्रकाश कुमार के नेतृत्व में टीम चौसा क्षेत्र में निरीक्षण के लिए पहुंची थी। टीम के पहुंचते ही अवैध खनन में लगे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई की भनक लगते ही कई ट्रैक्टर चालक तेजी से वाहन लेकर भाग निकले। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक भागने में सफल रहा, जबकि दूसरा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। खनन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पलटे हुए ट्रैक्टर के इंजन को जब्त कर मुफस्सिल थाना को सौंप दिया। इस मामले में अज्ञात चालक और ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही विभाग ने जब्त वाहन पर 1 लाख 5 हजार का जुमार्ना भी लगाया है।खनन पदाधिकारी ने बताया कि जब्त ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट नहीं थी, जो इसकी अवैध गतिविधियों में संलिप्तता को स्पष्ट करता है। उन्होंने कहा कि चौसा क्षेत्र में अवैध बालू खनन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा और इसमें शामिल लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप है, वहीं स्थानीय स्तर पर सख्ती बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

# भोजपुर-बक्सर एमएलसी उपचुनाव का बजा बिगुल, 12 मई को मतदान

- **प्रेस नोट जारी होते ही लागू हुई आचार संहिता, 16 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू, 14 मई को मतगणना**

**केटी न्यूज/बक्सर**

बिहार विधान परिषद के भोजपुर-सह-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन 2026 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 9 अप्रैल को प्रेस नोट जारी किए जाने के बाद बक्सर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को चुनाव कार्यक्रम और नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष और सचिव मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराई जाएगी तथा सभी दलों से आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने की अपेक्षा की गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को अधिसूचना जारी की जाएगी, जिसके साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल निर्धारित की गई है, जबकि 24 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 27 अप्रैल तक अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं।

चुनाव का मतदान 12 मई 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक कराया जाएगा। इसके बाद 14 मई को मतों की गिनती की जाएगी और 15 मई तक पूरे चुनाव को संपन्न कर लिया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

प्रशासनिक व्यवस्था के तहत इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए भोजपुर जिलाधिकारी को निवार्ची पदाधिकारी बनाया गया है, जबकि बक्सर और डुमरांव के अनुमंडल पदाधिकारियों को सहायक निवार्ची पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे स्पष्ट है कि चुनाव को लेकर दोनों जिलों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है।

जिला प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि बक्सर जिले के सभी 11 प्रखंडों में मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर संबंधित नगर निकायों के मतदाता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान केंद्रों की सूची सभी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई और उनसे सुझाव व आपत्तियां मांगी गईं, हालांकि बैठक में उपस्थित किसी भी राजनीतिक दल ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि प्रेस नोट जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। इसके तहत सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग, नई योजनाओं की घोषणा और प्रचार-प्रसार पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही मतदाताओं से भी अपील की गई कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं।

इस उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है। विभिन्न दलों ने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है और संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मंथन जारी है। आने वाले दिनों में नामांकन के साथ ही चुनावी गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है।

## बक्सर में स्कॉर्पियो से हथियार बरामद, युवक गिरफ्तार

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर। औद्योगिक थाना पुलिस को वाहन जांच अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने स्कॉर्पियो वाहन से अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अहिरौली बांध के समीप वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान अहिरौली निवासी सुरेश यादव का 24 वर्षीय पुत्र मुकेश यादव स्कॉर्पियो से वहां से गुजर रहा था। संदेह के आधार पर पुलिस ने वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान स्कॉर्पियो से एक देसी कट्टा और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बरामदगी के बाद पुलिस ने युवक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

## राजपुर में शुरू हुआ एचपीवी टीकाकरण अभियान, किशोरियों को कैंसर से बचाने पर जोर

**केटी न्यूज/राजपुर**

प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में किशोरियों के स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की गई है। चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में आयोजित बैठक में आशा कर्मियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान के प्रति जागरूक किया गया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 14 से 15 वर्ष से कम आयु की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए टीका उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह विशेष अभियान अगले दो महीनों तक जारी रहेगा, जिसमें बड़ी संख्या में किशोरियों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में बताया गया कि इस आयु वर्ग की बालिकाओं को केवल एक डोज का टीका लगाया जाएगा, जो दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। टीकाकरण सीएचसी परिसर में ही किया जाएगा।

आशा कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे गांव-गांव जाकर किशोरियों और उनके अभिभावकों को जागरूक करें तथा कम से कम तीन बालिकाओं को टीकाकरण केंद्र तक लाना सुनिश्चित करें।

इस मौके पर बीसीएम सत्येंद्र कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

## कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन को लेकर बनी रणनीति, वंचित वर्ग की बालिकाओं पर विशेष जोर

**केटी न्यूज/राजपुर**

प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी सभा कक्ष में शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय तियरा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नामांकन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नामांकन प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि इस सत्र में कक्षा 6 से 8 तक नामांकन लिया जाएगा। इसमें सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों की बालिकाओं को प्राथमिकता देते हुए 75 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए आरक्षित रहेंगी, जबकि शेष 25 प्रतिशत सीटें बीपीएल परिवारों की छात्राओं के लिए निर्धारित की गई हैं।

बैठक के दौरान विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि नामांकित छात्राओं को निःशुल्क आवास, पोशाक, पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति सहित अन्य सभी सरकारी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक योग्य बालिकाओं तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि वंचित वर्ग की बेटियों को शिक्षा से जोड़ा जा सके।

इस अवसर पर जितेन्द्र प्रसाद सिंह, आशुतोष शर्मा, राजदेव ठाकुर, सतीश कुमार, रीता कुमारी, पप्पू कुमार भारती, रोमन कुमारी, प्रियंका कुमारी, अजीत प्रसाद, सरोज कुमारी, नेहा कुमारी, धर्मेंद्र कुमार सहित कई शिक्षाकर्मी एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# बक्सर में गेहूं कटनी प्रयोग का निरीक्षण, 36.82 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज का अनुमान

- **किसानों को सटीक उपज आंकड़ा उपलब्ध कराने और योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने की पहल**

**केटी न्यूज/बक्सर**

कृषि वर्ष 2025-26 के तहत रब्बी गेहूं फसल के कटनी प्रयोग का निरीक्षण शुक्रवार को बक्सर सदर प्रखंड अंतर्गत दलसागर पंचायत के हरिकिशुनपुर गांव में किया गया। यह निरीक्षण बिहार सरकार के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, पटना के उप निदेशक वीरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया।

कटनी प्रयोग स्थानीय कृषक सिद्धनाथ तिवारी के खेत (खेसरा संख्या-33) में आयोजित किया गया, जिसे पंचायत दलसागर के किसान सलाहकार ओम प्रकाश की देखरेख में संपन्न कराया गया। इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में गेहूं की वास्तविक उपज का वैज्ञानिक तरीके से आकलन करना तथा किसानों के लिए सटीक उत्पादन आंकड़ा उपलब्ध कराना है।

प्रयोग के दौरान 10 मीटर लंबे और 5 मीटर चौड़ाई वाले आयताकार क्षेत्रफल में फसल की कटाई की गई। इस क्षेत्र से कुल 18.410 किलोग्राम गेहूं की उपज प्राप्त हुई। इस आधार पर प्रति हेक्टेयर औसत उपज 36.820 क्विंटल आंकी गई, जो क्षेत्र में फसल उत्पादन की अच्छी स्थिति को दशार्ता है।

निरीक्षण के दौरान उप निदेशक वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस प्रकार के कटनी प्रयोग से सरकार को वास्तविक उत्पादन का आंकलन करने में मदद मिलती है, जिससे कृषि योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को भी उनकी फसल की उत्पादकता का सही आकलन मिलता है और भविष्य की खेती के लिए बेहतर रणनीति बनाने में सहायता मिलती है।

इस मौके पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मोती कुमार, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी पीयूष प्रताप सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अंकित कुमार, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी जीतेन्द्र कुमार, कृषि समन्वयक कमलेश कुमार पासवान सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा स्थानीय किसानों में रामगृही पाण्डेय, कल्लू राम, कैलाशपति पाण्डेय, ददन पाण्डेय, रेखा देवी (पति शम्भु राम) सहित अन्य ग्रामीणों की भी सहभागिता रही।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने किसानों से संवाद कर खेती से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। साथ ही आधुनिक तकनीकों के उपयोग और वैज्ञानिक विधियों को अपनाने पर जोर दिया गया, ताकि उत्पादन में और वृद्धि की जा सके।

## एसजेवीएन प्लांट की समीक्षा बैठक में बाधाओं पर चर्चा, डुमरांव ग्रिड के रख-रखाव को लेकर भी दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

# चौसा पावर प्लांट का ऊर्जा सचिव ने किया निरीक्षण 660 मेगावाट यूनिट जल्द चालू करने के निर्देश

**केटी न्यूज/चौसा**

ऊर्जा सचिव-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड, पटना मनोज कुमार (भा.प्र.से.) ने शुक्रवार को चौसा स्थित पावर प्लांट का दौरा कर अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्लांट के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा विभिन्न तकनीकी और संचालन संबंधी मुद्दों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण कार्यक्रम की शुरूआत ऊर्जा सचिव द्वारा एसजेवीएन परिसर में पौधारोपण कर की गई। इसके बाद उन्होंने प्लांट परिसर का निरीक्षण करते हुए विभिन्न इकाइयों की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा उत्पादन क्षमता से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया।

समीक्षा बैठक के दौरान एसजेवीएन प्लांट की 660 मेगावाट क्षमता वाली द्वितीय यूनिट को चालू करने में आ रही बाधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने तकनीकी समस्याओं, संसाधनों की उपलब्धता तथा अन्य प्रशासनिक कारणों की जानकारी ऊर्जा सचिव को दी। इस पर मनोज कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बाधाओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि यूनिट को जल्द से जल्द चालू कर बिजली उत्पादन बढ़ाया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए पावर प्लांट की प्रत्येक इकाई का समय पर संचालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेही तय करने की भी बात कही।

इसके अतिरिक्त ऊर्जा सचिव ने डुमरांव स्थित 132 केवी/33 केवी ग्रिड का भी निरीक्षण किया। ग्रिड के रख-रखाव, तकनीकी स्थिति और बिजली आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को नियमित मेंटेनेंस, उपकरणों की समय-समय पर जांच तथा आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न आने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रिड की सुदृढ़ता ही निर्बाध बिजली आपूर्ति की आधारशिला है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ भी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मॉनिटरिंग तंत्र विकसित किया जाए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी साहिला, अपर समाहर्ता बक्सर, विशेष कार्य पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर सहित एसजेवीएन के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने ऊर्जा सचिव को प्लांट की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया।

ऊर्जा सचिव के इस दौरे को पावर प्लांट की कार्यप्रणाली में सुधार और बिजली उत्पादन को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों को दिए गए निदेर्शों से उम्मीद जताई जा रही है कि लंबित कार्यों में तेजी आएगी और क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

**एक नजर**

## राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मई को, वादों के निपटारे का सुनहरा अवसर

**बक्सर।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार व्यवहार न्यायालय परिसर, बक्सर में वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मई को किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शुक्रवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी देवेश कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सभी थाना अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर की अवर न्यायाधीश-सह-सचिव नेहा दयाल भी उपस्थित रहीं। इस दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे चिन्हित वादों के दोनों पक्षकारों को समय पर नोटिस की तामिला सुनिश्चित कराएं और उन्हें सुलह-समझौते के आधार पर अपने मामलों के निपटारे के लिए प्रेरित करें। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने कहा कि व्यवहार न्यायालय, बक्सर में लंबित मामलों की संख्या अधिक है। यदि पक्षकारों को समय रहते जागरूक किया जाए और उन्हें लोक अदालत के माध्यम से विवादों का समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, तो न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने थाना अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चिन्हित मामलों के पक्षकारों तक नोटिस समय पर पहुंचाएं और उन्हें लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। बैठक में यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सहमति से मामलों का निपटारा होने पर दोनों पक्षों को त्वरित राहत मिलती है और समय तथा धन की भी बचत होती है। इसके अलावा, लोक अदालत के निर्णय को अंतिम माना जाता है, जिससे आगे किसी प्रकार के विवाद की संभावना कम हो जाती है। अधिकारियों ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा लगातार नोटिस निर्गत किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक पक्षकार इस अवसर का लाभ उठा सकें। बैठक में उपस्थित सभी थाना अध्यक्षों ने निदेर्शों का पालन करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिले के सभी थाना अध्यक्ष मौजूद रहे। प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिकतम वादों का निपटारा सुलह के आधार पर कर न्याय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

# रघुनाथपुर स्टेशन पर स्पेशल ट्रेनों का ठहराव, यात्रियों में खुशी

- **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद**
- **अन्य ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज**

**केटी न्यूज/ब्रह्मपुर**

रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर दो प्रमुख समर स्पेशल ट्रेनों के ठहराव सुनिश्चित होने से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। विशेष ट्रेन संख्या 04069/70 (आनंद विहारझ्र शेखपुरा एसी समर स्पेशल) तथा 09061/62 (उधना जंक्शनझ्र जयनगर समर स्पेशल) के ठहराव को क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे स्थानीय रेल यात्रियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

रेलयात्री कल्याण समिति, दानापुर मंडल के महामंत्री शैलेश ओझा ने इस निर्णय के लिए रेल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह ठहराव लंबे समय से की जा रही मांग और लगातार प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने जानकारी दी कि सितंबर 2025 में समिति के प्रतिनिधिमंडल ने दानापुर के डीसीएम अभिषेक तिवारी से मुलाकात कर रघुनाथपुर स्टेशन पर पूजा एवं समर स्पेशल ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी थी। इसके बाद मार्च 2026 में समिति ने दिल्ली स्थित रेल मंत्रालय के अधिकारियों से भी संपर्क कर अपनी बात रखी। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप एक के बाद एक स्पेशल ट्रेनों का ठहराव मिलने पर समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए रेल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शेष मांगों पर भी जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। समिति से जुड़े शंभू चंद्रवंशी, अजय उपाध्याय, विंध्याचल शाही, विशाल सिंह, आनंद शर्मा, अश्विनी ओझा, आकाश पाराशर, राकेश कश्यप, रवि कुमार, मुहम्मद राजू, मिथिलेश यादव, अनिल मुखिया और मनोज चौधरी सहित अन्य ग्रामीणों ने भी इस उपलब्धि को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर ग्रामीणों और समिति ने रेलवे प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं। इनमें बलियाझ्रजगजीवन हाल्ट आरा रेल लाइन का एलाइनमेंट पश्चिम की ओर कर रघुनाथपुर से जोड़ने, मंडुआडीहझ्रपटना जनशताब्दी, श्रमजीवी, पंजाब मेल, पटनाझ्रकोटा, कुंभ एवं उपासना एक्सप्रेस के ठहराव की व्यवस्था करने की मांग प्रमुख है। साथ ही पटनाझ्रवाराणसी के बीच एक जोड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस चलाने तथा झारखंड के प्रमुख शहरों रांची, धनबाद और टाटानगर से चलने वाली ट्रेनों का बक्सर तक विस्तार कर रघुनाथपुर में ठहराव देने की भी मांग उठाई गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि रघुनाथपुर धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां स्थित ब्रह्मपुर धाम आरा, बक्सर और बलिया के श्रद्धालुओं का प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इसके अलावा स्टेशन के पास पर्याप्त भूमि, चार प्लेटफॉर्म, जेके सीमेंट फैक्ट्री, नावानगर औद्योगिक क्षेत्र और बक्सर ताप विद्युत परियोजना इसकी उपयोगिता को और बढ़ाते हैं।

ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि यदि रघुनाथपुर के पास ह्लवाई ट्रायंगलह्व के रूप में जंक्शन विकसित किया जाता है, तो ट्रेनों को इंजन रिवर्सल की आवश्यकता नहीं होगी। इससे समय और लागत की बचत के साथ रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

# सदस्यता महाअभियान को सफल बनाने के संकल्प के साथ डुमरांव में आयोजित

- **संगठन विस्तार पर फोकस, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने की बनी रणनीति**

**केटी न्यूज/डुमरांव**

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) की जिला इकाई ने संगठन को मजबूत करने और सदस्यता अभियान को धार देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की। यह बैठक बुधवार को एक निजी आवास पर जिलाध्यक्ष बलिराम सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

बैठक का मुख्य एजेंडा जिले में चल रहे महा सदस्यता अभियान की प्रगति का आकलन करना और इसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई रणनीति तैयार करना रहा। कार्यक्रम का संचालन ऋषि कुमार राय ने किया, जबकि प्रदेश सचिव सह जिला प्रभारी एवं सदस्यता प्रभारी अभिषेक कुमार पांडेय ने बैठक का नेतृत्व करते हुए कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अभिषेक पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती उसके संगठनात्मक ढांचे पर निर्भर करती है। ऐसे में जरूरी है कि पार्टी की सक्रियता बूथ स्तर तक सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे जिम्मेदारी के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहें और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का प्रयास करें।

बैठक में पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि जनता के बीच निरंतर उपस्थिति और उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्धता ही संगठन की असली पहचान होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सदस्यता अभियान को गांव-गांव और वार्ड स्तर तक ले जाने की योजना पर जोर दिया गया।

समीक्षा के दौरान सदस्यता अभियान की उपलब्धियों और कमियों पर खुलकर विचार-विमर्श हुआ। पदाधिकारियों ने अभियान में तेजी लाने के लिए युवाओं, महिलाओं और नए मतदाताओं को विशेष रूप से जोड़ने की आवश्यकता बताई। साथ ही यह भी तय किया गया कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में लक्ष्य निर्धारित कर अभियान को गति देगा। बैठक में हरेंद्र सिंह, सुमंत कुमार सिंह, सरोज कुमार पासवान, वीरेंद्र पांडेय, संजय कुमार, दिग्विजय सिंह, रमेश गुण, दीपक कुमार, मोहम्मद रोज अंसारी, शीला देवी, सीमा देवी, प्रियंका कुमारी, विजय कुमार, विनोद पाल, विजयंती कुमारी, लालबाबू प्रसाद, विष्णु कुमार, अखिलेश पासवान, किशोरी राम और सुरेंद्र राम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने एकजुट होकर सदस्यता अभियान को और अधिक व्यापक बनाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने का संकल्प लिया।

# गाजीपुर की दमदार जीत, फाइनल में सासाराम से टक्कर

## कस्तूरबा स्मारक शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में महेन को 1-0 से हराया, निर्णायक गोल बने राशिद खान

**केटी न्यूज/डुमरांव**

पुराना भोजपुर के ऐतिहासिक खेल मैदान में आयोजित कस्तूरबा स्मारक शील्ड फुटबॉल टूनार्मेंट का अंतिम सेमीफाइनल शुक्रवार को गाजीपुर और महेन के बीच खेला गया। मुकाबला काफी रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें गाजीपुर की टीम ने 1-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब फाइनल में उसका मुकाबला सासाराम की टीम से रविवार को होगा।

मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पहले हाफ में गाजीपुर और महेन दोनों ने कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन गोल करने में असफल रहीं। मिडफील्ड में दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और गेंद पर कब्जे को लेकर लगातार संघर्ष जारी रहा। परिणामस्वरूप हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।

दूसरे हाफ में खेल ने नया मोड़ लिया। गाजीपुर की ओर से 15 नंबर जर्सी में खेल रहे मोहम्मद राशिद खान ने शानदार मूव बनाते हुए मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल दागा। इस गोल के बाद महेन की टीम ने बराबरी करने की भरपूर कोशिश की, लेकिन गाजीपुर की मजबूत डिफेंस लाइन के सामने उसे सफलता नहीं मिल सकी। अंततः गाजीपुर ने 1-0 की बढ़त बनाए रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

इससे पहले खेले गए पहले सेमीफाइनल में सासाराम की टीम ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था। अब टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला गाजीपुर और सासाराम के बीच खेला जाएगा, जिसे लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह है। आयोजकों का मानना है कि फाइनल मैच में भारी संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ेगी।

सेमीफाइनल मैच का उद्घाटन नगर परिषद डुमरांव के कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर ने किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत चौधरी, नंदजी सिंह, विनोद वर्मा, राजू राय (मुखिया प्रतिनिधि), विनय सिंह, श्रीकांत ओझा और गोविंद शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन इस्लाम अंसारी ने किया, जबकि आयोजन को सफल बनाने में शिक्षक जेपी सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मैच का संचालन रेफरी पिंटू सिंह, चंदन सिंह, चुनमुन शर्मा और चांद खान ने निष्पक्ष तरीके से किया। मैदान में बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वार्ड पार्षदों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी अच्छी भागीदारी देखने को मिली।

आयोजन समिति ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेल आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां गाजीपुर और सासाराम के बीच खिताब के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

# शिवपुर में गेहूं उत्पादन क्षमता का आंकलन, क्रॉप कटिंग संपन्न

**केटी न्यूज/केसठ**

विभागीय निर्देश के आलोक में प्रखंड क्षेत्र के शिवपुर गांव में गेहूं की फसल का उत्पादन क्षमता आंकलन करने हेतु क्रॉप कटिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्य प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम वर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।जानकारी के अनुसार, शिवपुर निवासी किसान सुरेंद्र सिंह के खेत में लगाए गए श्रीराम प्रजाति के गेहूं की फसल पर क्रॉप कटिंग की गई। निर्धारित प्रक्रिया के तहत 10 मीटर लंबे व 5 मीटर चौड़े क्षेत्रफल में फसल काटकर उसका वजन किया गया, जिसके आधार पर उत्पादन क्षमता का आंकलन किया गया।

क्रॉप कटिंग के परिणामों के अनुसार गेहूं की उत्पादन क्षमता लगभग 34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंकी गई है। इस आंकड़े से यह संकेत मिल रहा है कि इस वर्ष क्षेत्र में गेहूं की फसल अच्छी हुई है और किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त होने की उम्मीद है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम वर्मा ने बताया कि क्रॉप कटिंग के बाद तैयार रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजी जाएगी, जिससे पूरे क्षेत्र की उत्पादन स्थिति का आकलन किया जा सके।

इस मौके पर किसान सलाहकार विजय कुमार सहित कई स्थानीय किसान भी उपस्थित रहे और उन्होंने कृषि विभाग की इस प्रक्रिया को उपयोगी बताया।

# शर्मसार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना मरीजों के लिए मौत का अस्पताल

**केटी न्यूज/आरा**

भोजपुर जिले के कोईलवर स्थित सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। यहां एक सड़क दुर्घटना में घायल मरीज का इलाज प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की बजाय जनरेटर ऑपरेटर एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों द्वारा किए जाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की शाम कोईलवर-बबुरा फोरलेन पर

- **जेनेटर ऑपरेटर डॉक्टर की जगह मरीजों कर रहा इलाज,चिकित्सक गायब**

जमालपुर के समीप एक सड़क दुर्घटना में दौलतपुर निवासी एक अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल इलाज के लिए कोईलवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

इसी दौरान प्राथमिक उपचार के समय का फोटो और वीडियो सामने

आया, जिसमें स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि अस्पताल में जनरेटर चलाने वाला कर्मी, मरीजों के भोजन से जुड़े ठेकेदार का स्टाफ और एक आउटसोर्सिंग सुपरवाइजर घायल व्यक्ति को टांका लगा रहे हैं। हैरानी की बात यह रही कि उस वक्त ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक और एएनएम पास में खड़े नजर आ रहे थे, लेकिन उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। जो वीडियो वायरल होते ही स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों का कहना है कि अस्पताल में एएनएम, जीएनएम और अन्य प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहने के बावजूद गैर-प्रशिक्षित बाहरी कर्मियों से इस तरह का संवेदनशील कार्य करवाना न केवल गंभीर लापरवाही है, बल्कि मरीजों की जान के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। यह चिकित्सा मानकों और नियमों का खुला उल्लंघन माना जा रहा है। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। भोजपुर के प्रभारी सिविल सर्जन संजय सिन्हा ने दूरभाष पर बताया कि पूरे प्रकरण की जानकारी ली जा रही है। इस घटना ने कोईलवर के स्वास्थ्य तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही आम लोगों के बीच सरकारी अस्पतालों की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

# नगर निकायों के सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों साथ निर्वाचन को लेकर बैठक

**केटी न्यूज/रोहतास**

नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचना तथा बिहार नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम 2026 के आलोक में नगर निकायों के सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों के निर्वाचन को लेकर आज जिला नवादा पदाधिकारी-सह-निवार्ची पदाधिकारी, रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि अधिसूचना के अनुसार सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों का निर्वाचन निर्वाचित वार्ड पार्षदों द्वारा गुप्त मतदान के माध्यम से बहुमत के आधार पर किया जाएगा। नवादा जिला अंतर्गत कुल 03 नगर परिषद नगर परिषद नवादा नगर परिषद्, वारिसलीगंज एवं नगर परिषद,हिसुआ तथा 01 नगर पंचायत,रजौली में सशक्त स्थायी

समिति का गठन किया जाना है।निर्वाचन की तिथि निर्धारित करते हुए बताया गया कि नगर परिषद्, नवादा में पांच पार्षद सदस्यों का निर्वाचन 15 अप्रैल को नगर परिषद हिसुआ में तीन पार्षद सदस्यों का निर्वाचन 16 अप्रैल को, नगर परिषद्, वारिसलीगंज में तीन पार्षद सदस्यों का निर्वाचन 17 अप्रैल को तथा नगर पंचायत, रजौली में तीन पार्षद सदस्यों का निर्वाचन 18 अप्रैल को संपन्न कराया जाएगा। जिला निवार्ची पदाधिकारी ने सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारियों को विभागीय दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए उनका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पूरी निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि सशक्त स्थायी समिति के प्रत्येक सदस्य की रिक्ति के विरुद्ध एक ही समय में पृथक-पृथक निर्वाचन कराया जाएगा, जिसके लिए प्रत्येक रिक्ति हेतु मतपेटिकाओं को क्रमांक 1,2,3 आदि से चिह्नित किया जाएगा। प्रत्येक निर्वाचित वार्ड पार्षद केवल एक ही रिक्ति के विरुद्ध नामांकन कर सकेंगे। एक से अधिक रिक्तियों के लिए नामांकन करने की स्थिति में न्यूनतम क्रमांक वाली मतपेटिका के लिए किया गया नामांकन ही वैध माना जाएगा। प्रत्येक वार्ड पार्षद सभी रिक्तियों के विरुद्ध एक-एक मत दे सकेंगे। नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात प्रत्येक रिक्ति के लिए हिंदी (देवनागरी लिपि) में वणार्नुक्रम के आधार पर मतपत्र तैयार किए जाएंगे। इसके उपरांत संबंधित रिक्तियों के लिए क्रमांकित मतपेटियों में गुप्त मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद निर्वाचित वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में रिक्तिवार मतगणना की जाएगी तथा जिस अभ्यर्थी को संबंधित रिक्ति के विरुद्ध सर्वाधिक मत प्राप्त होंगे, उन्हें निर्वाचित घोषित करते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने के उपरांत बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की धारा-24 के अंतर्गत निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। यह भी निर्देशित किया गया कि नामांकन से लेकर शपथ ग्रहण तक की संपूर्ण प्रक्रिया प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होकर बिना किसी विराम के संपन्न की जाएगी। जिला निवार्ची पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चरण। नामांकन, मतपत्र निर्माण, मतदान एवं मतगणना में निर्धारित नियमों एवं विभागीय दिशा-निर्देशों का अक्षरश अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने विधि-व्यवस्था संधारण पर बल देते हुए निर्देश दिया कि निर्वाचन स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती के लिए अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया। जिला निवार्ची पदाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व से ही सुनिश्चित करें, ताकि प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें एवं पूरी प्रक्रिया को सुचारू, व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी,अनुमंडल पदाधिकारी,रजौली, गोपनीय शाखा प्रभारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी उपस्थित थे।

## पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह की नई पारी

# सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर लिखा, 'मैं अब सुप्रीम कोर्ट बार का सदस्य बन गया हूं'

**केटी न्यूज/आरा**

आरा के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि अपने नए पेशेवर कदम को लेकर। भारतीय जनता पार्टी से निष्कासन के बाद उन्होंने अब सुप्रीम कोर्ट में वकालत शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर लिखा, 'आइ३ी१ ‹ङ्खल्लल्लॅ ३ॆ र४स्त्र१ी उङ्ग४१३, मैं अब सुप्रीम कोर्ट बार का सदस्य बन गया हूं। मैं हमारे लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए संघर्ष करूंगा।' तस्वीर सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। समर्थक उन्हें बधाई दे रहे हैं। राज कुमार सिंह का भाजपा से अलगाव बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान सामने आया था। टिकट बंटवारे को लेकर नाराजगी जताते हुए उन्होंने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ

खुलकर मोर्चा खोल दिया था। पार्टी ने उनकी गतिविधियों को अनुशासनहीनता बताते हुए इसे गंभीर मामला माना था। निलंबन के बाद राज कुमार सिंह ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने संगठन पर कई गंभीर आरोप लगाए और पार्टी की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए थे। तब से लेकर अब तक अलग-अलग राष्ट्रीय मुद्दों पर भाजपा की आलोचना करते रहे हैं। अब सक्रिय राजनीति से अलग होकर उनका सुप्रीम कोर्ट में वकालत शुरू करना एक नए अध्याय की शुरूआत माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, उनका यह कदम न केवल व्यक्तिगत करियर में बदलाव का संकेत है, बल्कि बिहार की राजनीति में भी नए समीकरणों को जन्म दे सकता है।

# प्रेम-प्रसंग : बंद कमरे में फांसी के फंदे लटकता मिला युवती नर्स का शव

- **प्रेमी से चोरी-छिपे शादी कर किराये के मकान में रहती थी नर्स**
- **मौत के बाद प्रेमी फरार,पुलिस घटना के तहकीकात में जुटी**

**केटी न्यूज/नवादा**

जिला क्षेत्र में एक नर्स का शव फांसी के फंदे से लटका पुलिस ने किया बरामद। बताया जा रहा है कि युवती नर्स किराये के मकान में एक युवक के साथ पति-पत्नी बनकर रह रही थी। घटना के बाद से युवक फरार है। घटना नगर थाना क्षेत्र के चौधरी नगर मोहल्ले की है। मृतका की पहचान अकबरपुर प्रखंड के बकसंडा गांव निवासी जितेंद्र मांझी 23 वर्षीय बेटी मनीषा कुमारी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

**नर्स के गले में मिला मंगलसूत्र :** मृतका के फूफा दूधी मांझी ने बताया कि मनीषा एक

प्राइवेट नर्सिंग होम में नर्स का काम करती थी। उन्हें अचानक सूचना मिली कि मनीषा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे, तो मकान मालिक रंजन कुमार ने बताया कि मनीषा कुमारी शादीशुदा थी और उसके गले में मंगलसूत्र भी था। मकान मालिक के खुलासे के बाद परिवार हैरान रह गया। उन्हें पता चला कि मनीषा धनबाद के अभिषेक पांडे नामक एक युवक के साथ पिछले छह महीने से पति-पत्नी के रूप में किराए के मकान में रह रही थी। मनीषा ने अपने परिवार को बताया था कि वह चार सहेलियों के साथ रहती है और वहां पुरुषों का आना मना है।

**बेटी के शादी के लिए पिता ढूंढ रहें थे लड़का :** दूधी मांझी ने मनीषा की हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि मनीषा ने दो दिन पहले ही व्हाट्सएप पर अपनी फोटो भेजी थी और परिवार उसके लिए एक अच्छा लड़का ढूंढ रहा था। फूफा का कहना है कि जिस तरह से शव फंदे से लटका मिला है और शरीर पर निशान भी पाए गए हैं, उससे यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या प्रतीत होती है। लेकिन घटना के बाद युवक का कोई पता नहीं चला है। मकान मालिक रंजन कुमार ने यह भी बताया कि दो महीने पहले भी मनीषा और अभिषेक के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्होंने उन्हें मकान खाली करने के लिए कह दिया था। नगर थाना प्रभारी उमाशंकर सिंह ने मामले के हर बिंदु पर जांच शुरू कर दी है और परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है।

# ई-शिक्षा कोष पर ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नही करने वालें शिक्षक पर होगी कार्रवाई

## शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बीईओ ने शिक्षकों को दी चेतावनी

**केटी न्यूज/आरा**

अनुमंडल मुख्यालय स्थित नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत इंटर विद्यालय परिसर में प्रखंड संसाधन केंद्र सभागार में शुक्रवार को शिक्षकों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रभारी बीओ राकेश कुमार ने की। जिसमें प्रखंड के सभी प्राथमिक विद्यालय व उत्क्रमित मध्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे। शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे प्रतिदिन विद्यालय में शिक्षक व बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति ऑनलाइन

दर्ज करें साथ ही कक्षा प्रथम से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं को शत प्रतिशत प्रमोशन और आईडी कार्ड बनाने पर विशेष ध्यान दें। साथ ही एचपीवी वैक्सीन पर भी जोर दिया गया,किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गयी। मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिये कि भोजन वितरण का समय निर्धारित रखते हुए प्रतिदिन सही समय पर एसएमएस के माध्यम से जानकारी अपडेट की जाये। इससे योजना की पारदर्शिता बनी रहेगी और बच्चों को समय पर पौष्टिक आहार मिल सकेगा। विद्यालयों को अपने-अपने पोषक क्षेत्र में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया शिक्षकों से कहा गया कि वे घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करें और स्कूल से बाहर बच्चों को चिन्हित कर उनका नामांकन करायें। प्रभारी बीईओ राकेश कुमार ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ तभी सही तरीके से मिलेगा, जब सभी शिक्षक कर्तव्य का पालन करें। पंचायत से आठवीं क्लास के छात्र-छात्राएं निकलेंगे। वहीं पंचायत के हाई स्कूल में नामांकन करवाना है। वही प्रधानाध्यापकों के द्वारा बच्चों को टीसी देने के क्रम में टीसी पर अपर आईडी रजिस्ट्रेशन नंबर और पैन कार्ड आईडी नंबर लिखना अति आवश्यक है। शिक्षा विभाग ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर शिक्षकों की उपस्थिति में देरी और लॉग-आउट न करने को गंभीरता से ले रहा है। लेट से हाजिरी दर्ज करने या लॉग-आउट न करने वाले शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों को समय पर समय सीमा के अंदर उपस्थिति दर्ज करानी होगी और ऐप का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा। हाई स्कूल के छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन ह्यूमन पैपिलोमावायरस सर्वाइकल कैंसर लगाया जाना है जिसको लेकर सर्वाइकल कैंसर से जुड़ा हुआ है जो की हाई स्कूल के विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया गया है कि विद्यालय के छात्राओं को रिपोर्ट दें। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय व उत्क्रमित मध्य विद्यालय के सभी प्रधानाध्यापको उपस्थित थे।

# एक ही रात 2 घरों में चोरी, सोने- चांदी के जेवर व कीमती सामान चुराए

**केटी न्यूज/आरा**

बिहिया थाना क्षेत्र के समरदह गांव में रात चोरों के गिरोह ने 2 घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों ने अलग- अलग 2 घरों में घुसकर सोने- चांदी के बहुमुल्य जेवर और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। गुरूवार की सुबह चोरी की घटना होने की जानकारी मिलते के बाद गृहस्वामी और उनके परिजन सकते में पड़ गये। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। बताया जाता है कि चोरों ने समरदह गांव निवासी राजकिशोर यादव के घर में घुसकर एक कमरे में रखे गये बक्सों का ताला तोड़कर लाखों रुपए मूल्य के जेवर, कपड़े और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। शातिर चोरों ने घटना को तब अंजाम दिया, जब परिवार के सभी सदस्य सोये थे। इसी रात चोरों ने सुरेन्द्र पासवान के

घर का ताला तोड़कर जेवर व अन्य कीमती सामान चोरी कर ली। पीड़ित परिवार के अनुसार रात में घर के सभी लोग घर के दूसरे हिस्से में सोये थे। इसी चोरों ने घटना को अंजाम दिया। एक ही रात दो घरों में चोरी की घटना होने के बाद खबबली मच गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद बिहिया पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद घटना की छानबीन शुरू की। चोरों का सुराग ढूढने के लिए खोजी कुते की भी मदद ली गयी। लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिल पायी।

## एक नजर

### बिहिया से ब्रह्मपुर जा रहे युवक की ट्रेन से गिरकर मौत, तीसरे दिन हुई पहचान

**आरा।** आरा में दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर मंगलवार को हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में मृत युवक की पहचान तीसरे दिन गुरुवार को देर शाम हो सकी। मृतक की पहचान भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के फिनगी गांव निवासी धर्मेंद्र सिंह (42) के रूप में हुई है। पहचान होते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह बिहिया स्टेशन के पास धर्मेंद्र सिंह ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद रेल पुलिस ने शव को अज्ञात मानते हुए पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया था। मृतक के चचेरे भाई लक्ष्मण कुमार ने बताया कि, धर्मेंद्र सिंह मंगलवार सुबह बिहिया स्टेशन से ट्रेन पकड़कर बक्सर के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र स्थित अपनी बहन हीरामुनी देवी के घर जा रहे थे। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने खोजबीन शुरू की। बुधवार तक भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार को जब परिजन बिहिया स्टेशन पहुंचे तो स्थानीय लोगों से हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद वे आरा रेल थाना पहुंचे, जहां शव की तस्वीर देखकर उन्होंने धर्मेंद्र सिंह की पहचान की। हादसा इतना भीषण था कि उनका सिर धड़ से अलग हो गया था, जिससे पहचान में काफी दिक्कत हुई। पहचान के बाद परिजन सदर अस्पताल पहुंचे और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव को गांव ले गए, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। धर्मेंद्र सिंह अपने परिवार में दो भाइयों और एक बहन में दूसरे स्थान पर थे। परिवार में मां, बहन हीरामुनी देवी और भाई उपेंद्र सिंह हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

### शौच करने गये युवक की आहर में डूबने से मौत

**आरा।** भोजपुर में आहर में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। हाथ-पैर धोने के दौरान हादसा हुआ है। मृतक की पहचान दुलारपुर गांव निवासी महेश राम के पुत्र मनु राम(37) के तौर पर हुई है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र की है। रिश्तेदार सह विकाश मित्र रामबाबू राम ने बताया कि घर से शौच करने के लिए गए थे। आहर किनारे जेसीबी से पहले ही गड्ढा किया गया था। शौच करने के बाद हाथ-पैर धोने के लिए गए। तभी उनका पर फिसल गया और गहरे पानी में चले गए। वहां खेल रहे बच्चों ने इसकी सूचना परिवार के सदस्यों को दी। ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला गया। जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव सौंप दिया। मृतक तीन भाई-बहन में सबसे छोटा था। परिवार में पत्नी सीता देवी और 2 बेटी नंदनी, रागनी है। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया है। पत्नी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

### जदयू नेता ने एमएलसी चुनाव लड़ने का ऐलान किया, भोजपुर में वार्ड सदस्यों के समर्थन का दावा

**आरा।** बिहार विधान परिषद उपचुनाव की घोषणा के बाद भोजपुर-बक्सर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। शाहपुर में जदयू के वरिष्ठ नेता मनोज उपाध्याय ने एमएलसी चुनाव लड़ने का ऐलान किया। उपाध्याय पीरो नगर परिषद अध्यक्ष के पति हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मनोज उपाध्याय ने दावा किया कि उन्हें भोजपुर और बक्सर के सभी वार्ड सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, "दोनों जिलों के सभी वार्ड सदस्य मुझे अपनी आवाज बनाकर विधान परिषद में भेजने का मन बना चुके हैं।" उपाध्याय ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि उन्हें एनडीए की ओर से उम्मीदवार बनाया जाता है, तो उनकी जीत निश्चित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि पार्टी उन्हें टिकट नहीं देती है, तो भी वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे। एमएलसी चुनाव के लिए मतदान 12 मई को होगा, जबकि मतों की गिनती 14 मई को की जाएगी। चुनाव की तारीखें घोषित होने के साथ ही कई अन्य संभावित प्रत्याशी भी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। अब देखना होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल किन उम्मीदवारों को मैदान में उतारते हैं।

### आरा सदर अस्पताल में गार्ड की दबंगई पैसे मांगने पर सफाईकर्मी की लाठी-डंडे से पिटाई

**आरा।** आरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तैनात सुरक्षाकर्मी ने पैसे के विवाद में एक सफाईकर्मी की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। काफी देर तक पिटाई करने के बाद युवक ने भी अपने बचाव में डंडा चलाया, जिसका वीडियो सामने आया है । सुरक्षाकर्मी ने पांच सेकंड में पांच डंडे जड़ दिए। इसके बाद युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से फरार हो गया। पीड़ित युवक बिहिया थाना क्षेत्र के झौवा गांव निवासी नवनीत ठाकुर है। पीड़ित नवनीत ने बताया कि सदर अस्पताल में सफाईकर्मी के पद पर तैनात हैं। इसके अलावा बार्बर का काम भी करते हैं। अस्पताल में तैनात प्राइवेट कंपनी के गार्ड विनोद उपाध्याय ने पंद्रह दिन पहले बाल-दाढ़ी बनवाया था। साथ ही अपने के दोस्त का भी बाल कटवाया था। मैंने 40 से 50 रुपए मांगा गया था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। पैसा मांगने पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज करते हुए धमकी दी जाती थी। आज जब अपने मेहताना मांगने गए तो भद्दी-भद्दी गालियां और जान से मारने की धमकी देने लगे। जब मैंने इसका विरोध किया तो ताबड़तोड़ डंडे से पिटाई शुरू कर दी गई। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद निजी कंपनी में तैनात आरोपी गार्ड को तत्काल कार्रवाई करते हुए ड्यूटी से हटा दिया गया। कंपनी के द्वारा चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी गई है। इस घटना के बाद अस्पताल में तैनात सफाईकर्मियों में आक्रोश है। अगर गार्ड का रवैया अच्छा नहीं होगा तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।

बिहार में आग का तांडव

# सिवान से नवादा तक जले गेहूं के खेत, सैकड़ों एकड़ की फसल हुई राख

**एजेंसी। पटना**

बिहार में पछुआ हवाओं के बीच खेतों में लगी आग ने किसानों की मेहनत पर कहर बरपा दिया है। सिवान, रोहतास और नवादा समेत कई जिलों में शुक्रवार को भीषण अग्निकांड की घटनाओं ने सैकड़ों एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल को जलाकर राख कर दिया। कहीं बिजली के शॉर्ट सर्किट ने चिंगारी दी, तो कहीं तेज हवाओं ने आग को विकराल रूप दे दिया। देखते ही देखते लहलहाते खेत राख के ढेर में बदल गए और किसानों की आंखों के सामने उनकी सालभर की मेहनत धुएं में उड़ गई। सिवान जिले के आंदर अंचल के पड़ेजी गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने अचानक गेहूं के खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। करीब 10 बीघा में लगी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। गांव के लोग बाल्टियों, डंडों और पेड़ों की डालियों से आग बुझाने में जुटे रहे, लेकिन तेज हवा के सामने उनकी कोशिशें कमजोर पड़ गईं। इस हादसे में ललन साह, शिवसेवक पांडेय, ददन मांझी और कृष्णा राम समेत कई किसानों की फसल बर्बाद हो गई। रोहतास जिले के कोचस थाना क्षेत्र के सरेयां गांव में आग ने और भी भयावह रूप लिया। यहां लगभग 50 एकड़ से अधिक खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग की लपटें इतनी ऊंची उठ रही थीं कि दूर-दूर तक धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा था। खेतों में खड़ी सुनहरी बालियां कुछ ही मिनटों में काली राख में बदल गईं। किसानों ने घंटों मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। नवादा जिले के काशीचक प्रखंड के बेलर गांव में भी हालात बेहद गंभीर रहे। यहां अचानक लगी आग ने कई किसानों की तैयार फसल को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीण दमकल की गाड़ियों का इंतजार करते रहे, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि देखते ही देखते खेत जलते चले गए। कई किसानों ने रोते हुए बताया कि यही फसल उनके पूरे साल का सहारा थी, जो अब खत्म हो चुकी है। इन अग्निकांडों ने किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। गेहूं की कटाई से ठीक पहले हुई इस तबाही ने न केवल उनकी आर्थिक रीढ़ तोड़ी है, बल्कि परिवार चलाने की चिंता भी बढ़ा दी है। कई किसानों ने कर्ज लेकर खेती की थी और अब फसल जल जाने के बाद वे गहरे सदमे में हैं। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। राजस्व कर्मियों को मौके पर भेजा गया है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है। सिवान में जदयू जिला सचिव सुशील गुप्ता ने प्रशासन से तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उनके सामने भुखमरी जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। बार-बार हो रही आग की घटनाओं ने बिजली विभाग की लापरवाही पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ढीले और जर्जर बिजली तार खेतों के ऊपर लटक रहे हैं, जिनसे चिंगारी निकलने का खतरा हमेशा बना रहता है।

# हॉस्टल में कैंटीन गार्ड ने छात्र के साथ किया कुकर्म फिर उतारा मौत के घाट, जहानाबाद में निर्मम हत्याकांड का खुलासा

**एजेंसी। पटना**

बिहार के जहानाबाद के कड़ौना थाना क्षेत्र स्थित मुठेर-लोदीपुर गांव के पास संचालित गुरुकुल हॉस्टल में मासूम छात्र की हत्या मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस द्वारा किए गए इस बड़े खुलासे ने सबको झकझोर कर रख दिया है। इस सनसनीखेज वारदात में कैंटीन में कार्यरत गार्ड मुकेश उर्फ सुदामा को गिरफ्तार किया गया है, जिसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार मासूम के साथ अप्राकृतिक कृत्य किए जाने की पुष्टि हुई है। इसके बाद आरोपी ने साक्ष्य छिपाने के लिए उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार ब्लेड को भी बरामद कर लिया है, जिससे वारदात को अंजाम दिया गया था। एसपी अपराजित लोहान ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जांच के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले, जिसके आधार पर कैंटीन गार्ड मुकेश उर्फ सुदामा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। सख्ती से पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकार किया है। इस जघन्य अपराध को कैंटीन गार्ड ने अंजाम दिया था। घटना के वक्त आरोपी शराब के नशे में धुत था। पकड़ा गया आरोपी पाली थाना क्षेत्र के बेमभई गांव का रहने वाला है। जांच में यह बात सामने आई है कि गार्ड की पत्नी उसे पहले ही छोड़ चुकी थी। इस वजह से हॉस्टल के बच्चे उसे अक्सर नपुंसक कहकर चिढ़ाते थे, जिससे वह मानसिक कुंठा का शिकार था। साथ ही, कुछ समय पहले हॉस्टल संचालक से उसका विवाद हुआ था। जिसके बाद आरोपी गार्ड ने हॉस्टल को बदनाम कर उसे बंद कराने की धमकी थी।एसपी ने बताया कि रविवार की रात हॉस्टल के बच्चे टीवी देख रहे थे। जैसे ही टीवी बंद हुआ, गार्ड ने मासूम बच्चे को बहला-फुसलाकर चुपके से अपने कमरे में बुला लिया। जहां उसने मासूम के साथ जबरन कुकर्म किया। जब बच्चा चीखने-चिल्लाने लगा, तो पकड़े जाने के डर से गार्ड ने धारदार हथियार से उसकी गला रेतकर हत्या कर दी और शव को सीढ़ी पर फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने सिर्फ गार्ड ही नहीं, बल्कि हॉस्टल संचालक तरुण कुमार उर्फ गांधी को भी गिरफ्तार किया है। जांच में पाया गया कि संचालक ने न केवल सुरक्षा के मानकों की अनदेखी की, बल्कि घटना के बाद तथ्यों को छिपाने और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। एसपी ने बताया कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के खुलासे के बाद जहां पुलिस ने राहत की सांस ली है, वहीं मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या हॉस्टल में अन्य बच्चों के साथ भी इस तरह की घटनाएं हुई थीं। वहीं, इस घटना के बाद से इलाके में आक्रोश व्याप्त है और अभिभावक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं।

# बॉयफ्रेंड के संग रह रही नर्स की संदिग्ध मौत घर में फंदे से लटका मिला शव, प्रेमी फरार

**एजेंसी। पटना**

बिहार के नवादा जिले में एक युवती की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। नगर थाना क्षेत्र के चौधरी नगर मोहल्ले में एक 23 वर्षीय नर्स का शव फांसी के फंदे से लटका मिलने के बाद यह मामला अब महज आत्महत्या नहीं, बल्कि रहस्यमयी मौत की गुत्थी बन गया है। मृतका की पहचान अकबरपुर प्रखंड के बकसंडा गांव निवासी जितेंद्र मांझी की पुत्री मनीषा कुमारी के रूप में हुई है, जो नवादा में एक निजी नर्सिंग होम में काम करती थी।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेकिन जैसे-जैसे परतें खुलती गईं, मामला और उलझता चला गया। परिवार वालों के मुताबिक मनीषा ने घर में बताया था कि वह शहर में अपनी चार सहेलियों के साथ किराए के मकान में रहती है, जहां किसी पुरुष के आने की अनुमति नहीं है। मगर जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, तो मकान मालिक के खुलासे ने सबको हैरान कर दिया। मकान मालिक रंजन कुमार ने बताया कि मनीषा पिछले छह महीनों से धनबाद निवासी अभिषेक पांडे नाम के युवक के साथ पति-पत्नी की तरह रह रही थी। इतना ही नहीं, वह शादीशुदा थी और गले में मंगलसूत्र भी पहनती थी। परिवार को इस रिश्ते की कोई जानकारी नहीं थी। इस खुलासे के बाद परिजन सकते में हैं और अब इस पूरे मामले को हत्या की नजर से देख रहे हैं।मृतका के फूफा दूधी मांझी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आत्महत्या नहीं, सुनियोजित हत्या है। उनका कहना है कि मनीषा ने दो दिन पहले ही व्हाट्सएप पर अपनी तस्वीर भेजी थी और वह सामान्य लग रही थी। परिवार उसके विवाह की तैयारी में लगा था और अच्छे रिश्ते की तलाश कर रहा था। ऐसे में अचानक आत्महत्या की बात उन्हें हजम नहीं हो रही। उन्होंने यह भी दावा किया कि शव पर कुछ संदिग्ध निशान मिले हैं, जो हत्या की आशंका को और मजबूत करते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि घटना के बाद से अभिषेक पांडे गायब है। जिस युवक के साथ मनीषा रह रही थी, वही अब पुलिस की जांच का मुख्य केंद्र बन गया है। बताया जा रहा है कि दो महीने पहले भी दोनों के बीच गंभीर विवाद हुआ था, जिसके बाद मकान मालिक ने उन्हें घर खाली करने की चेतावनी दी थी।

# लोन पास कराने की कीमत 75 हजार! घूस लेते ही एसबीआई फील्ड ऑफिसर को विजिलेंस ने रंगे हाथ पकड़ा

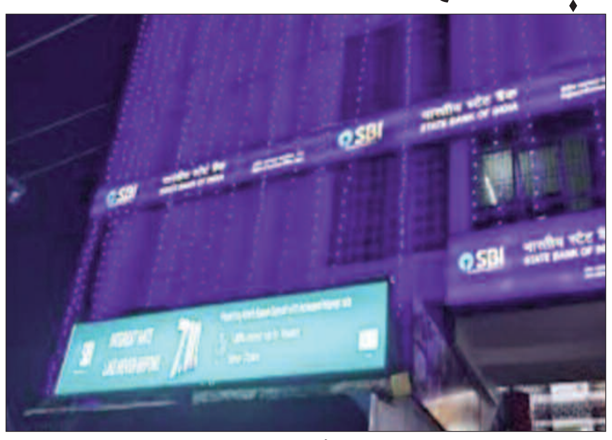


**एजेंसी। पटना**

गयाजी में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए विजिलेंस टीम ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (ख्क) के एक फील्ड ऑफिसर को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लोन पास करने के नाम पर घूस मांग रहा था। बताया जा रहा है कि वह अतरी प्रखंड क्षेत्र में तैनात था। सूत्रों के अनुसार, अतरी प्रखंड के छतनी गांव निवासी रामचन्द्र महतो के बेटे ने करीब साढ़े सात लाख रुपये के लोन के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि लोन पास कराने के बदले फील्ड ऑफिसर रविरंजन कुमार ने 75 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इस मांग से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने विजिलेंस विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने मामले की गुप्त जांच की। आरोप सही पाए जाने पर टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के तहत जैसे ही आरोपी अधिकारी ने रिश्वत की रकम ली, उसी समय टीम ने मौके पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई इतनी तेज थी कि आरोपी को संभलने का मौका भी नहीं मिला। इस गिरफ्तारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों के बीच इस कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज है और इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश माना जा रहा है। वहीं, इस मामले पर बैंक प्रबंधन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ख्क गया मुख्य शाखा के पीआरओ अमरेश कुमार ने कहा कि उन्हें इस कार्रवाई की जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित फील्ड ऑफिसर के बारे में अभी कोई आधिकारिक सूचना उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही बैंक को इस संबंध में जानकारी मिलेगी, उसे साझा किया जाएगा। फिलहाल विजिलेंस टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। माना जा रहा है कि इस गिरफ्तारी के बाद जिले में अन्य भ्रष्ट अधिकारियों पर भी निगरानी बढ़ाई जा सकती है।

## एक नजर

### पटना हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, आईजी विकास वैभव करेंगे रिंकू हत्याकांड की फिर से जांच

**बेगूसराय।** बिहार के बेगूसराय में 5 साल पहले कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में हुई रिंकू कुमारी की संदिग्ध मौत के मामले में पटना हाई कोर्ट ने 'आदेश जारी किया है। जस्टिस संदीप कुमार की बेंच ने स्थानीय पुलिस की ढुलमुल जांच और क्लोजर रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए, इस पूरे केस का पुनः अनुसंधान करने का आदेश दिया है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की कमान बिहार के चर्चित और तेजतर्रार आई जी विकास वैभव संभालेंगे।पटना हाई कोर्ट ने बेगूसराय पुलिस से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में हुई रिंकू कुमारी मर्डर केस को छीनकर आईजी विकास वैभव के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दिया है। इस आदेश के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप है, क्योंकि अब उन अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है, जिन्होंने पहले इस मामले की लीपापोती की थी।अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सही और निष्पक्ष अनुसंधान, एक निष्पक्ष ट्रायल के मौलिक अधिकार का अनिवार्य हिस्सा है। कोर्ट ने माना कि बेगूसराय पुलिस की जांच में भारी अनियमितताएं थीं। परिजनों ने इसे सोची-समझी हत्या की बात कही थी, वहीं पुलिस ने बिना किसी पुख्ता आधार के इसे आत्महत्या करार देकर फाइल बंद करने की कोशिश की थी। बताया गया था कि रिंकू कुमारी का शव जिस अवस्था में मिला था, वह आत्महत्या की कहानी से मेल नहीं खाता था। शव पर धूल-मिट्टी सनी हुई थी और गर्दन में फंदा अटका था, जो किसी बड़े संघर्ष की ओर इशारा करता था।

### छुट्टी पर घर आए हवलदार की सड़क हादसे में मौत, गांव में पसरा मातम

**मोतिहारी।** बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी से एक बेहद मार्मिक खबर सामने आई है, जहां भारतीय सेना के हवलदार अशोक सिंह की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। देश की सेवा में समर्पित एक जवान का यूं अचानक चले जाना पूरे इलाके को गहरे शोक में डुबो गया है। हादसे के बाद संग्रामपुर थाना क्षेत्र के मठिया गांव में मातम पसरा हुआ है और हर आंख नम है। जानकारी के अनुसार, मठिया गांव निवासी 35 वर्षीय अशोक सिंह भारतीय सेना में हवलदार पद पर तैनात थे। वे 15 दिनों की छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे। परिवार के साथ समय बिताने पहुंचे अशोक सिंह को क्या पता था कि यह छुट्टी उनकी जिंदगी की आखिरी यात्रा बन जाएगी। बताया जा रहा है कि संग्रामपुर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अशोक सिंह स्वर्गीय अजीत सिंह के पुत्र थे और वर्ष 2011 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। कड़ी मेहनत, अनुशासन और बहादुरी के दम पर उन्होंने सेना में अपनी खास पहचान बनाई थी। वे ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर के रूप में भी सेवाएं दे चुके थे और उनकी पोस्टिंग चंडीगढ़ तथा फिरोजपुर जैसे महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर रही थी। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उल्लेखनीय साहस का परिचय दिया था, जिससे वे अपने साथियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बेहद सम्मानित थे। अशोक सिंह एक सैन्य परंपरा वाले परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके दादा भारतीय सेना में सूबेदार मेजर रह चुके थे। यही वजह थी कि बचपन से ही उनके भीतर देशसेवा का जज्बा था। परिवार को उन पर गर्व था, और गांव के युवाओं के लिए वे प्रेरणा बने हुए थे। वर्ष 2016 में अशोक सिंह का विवाह हुआ था। उनके परिवार में पत्नी और तीन साल की एक मासूम बेटी है, जो अब पिता के स्नेह से हमेशा के लिए वंचित हो गई। हादसे की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। पत्नी बेसुध है, मां-बेटी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग लगातार परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और हादसे की जांच जारी है। दूसरी ओर, गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अशोक सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए सरकार से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा देने की मांग की है।

### बिहार पुलिस की बड़ी कामयाबी: मोतिहारी जहरीली शराब कांड का मास्टरमाइंड लवकुश यादव गिरफ्तार

**मोतिहारी ।** बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इस सनसनीखेज कांड के मुख्य आरोपी और कथित मास्टरमाइंड लवकुश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जहरीली शराब के इस नेटवर्क का अहम चेहरा माने जा रहे लवकुश की गिरफ्तारी तुरकौलिया इलाके से हुई, जिसके बाद पूरे मामले की जांच ने नया मोड़ ले लिया है। मोतिहारी जहरीली शराब कांड ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया था। अब तक इस घटना में 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग गंभीर हालत में अस्पतालों में भर्ती हैं। कई पीड़ितों की आंखों की रोशनी तक चली गई है। परिवारों में मातम पसरा है और गांवों में डर व गुस्से का माहौल बना हुआ है। जिला पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि लवकुश यादव इस पूरे जहरीली शराब नेटवर्क का मुख्य संचालक था। जांच में सामने आया है कि उसी ने बड़ी मात्रा में जहरीली स्प्रिट मंगवाई थी, जिसे बाद में स्थानीय स्तर पर अवैध शराब तैयार करने में इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से भारी मात्रा में जहरीली स्प्रिट भी बरामद की है। पुलिस जांच के मुताबिक, यह जहरीली स्प्रिट उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित एक कंपनी से मंगाई गई थी। खेप गोरखपुर के रास्ते मोतिहारी पहुंची और फिर इसे जिले के कई खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचाया गया। लवकुश यादव ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने यह स्प्रिट स्थानीय शराब कारोबारियों और स्प्रिट माफिया कन्हैया यादव को बेची थी। पुलिस अब कन्हैया यादव समेत इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

# पटना मेट्रो ने भरी रफ्तार : पहला अंडरग्राउंड स्टेशन तैयार, अब सफर शुरू होने का इंतजार

**एजेंसी। पटना**

पटना शहर के लिए बहुप्रतीक्षित मेट्रो परियोजना अब तेजी से अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रही है। राजधानीवासियों का वर्षों पुराना सपना अब हकीकत में बदलता दिखाई दे रहा है। पटना मेट्रो का पहला अंडरग्राउंड स्टेशन–मोइनुल हक स्टेशन–लगभग तैयार हो चुका है। जमीन से करीब 22 मीटर नीचे बने इस स्टेशन का सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और अब यहां से टनलिंग का काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मोइनुल हक स्टेडियम के पास बना यह स्टेशन तकनीकी दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह न केवल पटना मेट्रो का पहला भूमिगत स्टेशन है, बल्कि पूरे प्रोजेक्ट की प्रगति का प्रतीक भी बन गया है। निर्माण एजेंसियों के मुताबिक, स्टेशन के अंदर प्लेटफॉर्म, दीवारें, सीढ़ियां और बेसिक स्ट्रक्चर लगभग तैयार हैं। अब अंतिम चरण में विद्युत, सिग्नलिंग और सुरक्षा से जुड़े पकरण लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस स्टेशन से राजेंद्र नगर की ओर टनल बनाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। दो टनल बोरिंग मशीनें (ञ्इट) लगातार खुदाई में लगी हैं। पहली लाइन में 705 मीटर के लक्ष्य में से 278 मीटर खुदाई पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरी लाइन में 681 मीटर में से 448 मीटर कार्य समाप्त हो गया है। सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा राजेंद्र नगर टर्मिनल के नीचे से टनल निकालना है। रेलवे ट्रैक और भारी यातायात के कारण इस हिस्से की खुदाई बेहद सावधानी से की जा रही है। इंजीनियरों की टीम 24 घंटे निगरानी कर रही है ताकि किसी तरह की तकनीकी बाधा न आए। अनुमान है कि अगले तीन से चार महीनों में मोइनुल हक स्टेडियम से पटना जंक्शन तक लगभग छह किलोमीटर लंबा अंडरग्राउंड नेटवर्क तैयार हो जाएगा। सिर्फ भूमिगत हिस्से में ही नहीं, एलिवेटेड रूट पर भी तेजी से काम पूरा किया जा रहा है। न्यू बाइपास क्षेत्र में खेमनीचक से मीठापुर तक एलिवेटेड कॉरिडोर का ढांचा लगभग बनकर तैयार है। अब इस रूट पर ट्रैक बिछाने, बिजली की वायरिंग और सिग्नलिंग का काम बाकी है। यह हिस्सा चालू होते ही शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों–जगनपुरा, रामकृष्णा नगर और मीठापुर–को भारी ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। मीठापुर के बाद मेट्रो फिर भूमिगत मार्ग पकड़ेगी, जिससे शहर के प्रमुख हिस्सों को जोड़ना आसान हो जाएगा। इससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि पटना मेट्रो का सफर कब शुरू होगा? अधिकारियों के मुताबिक, भूतनाथ से मलाही पकड़ी स्टेशन के बीच निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। हालांकि, संचालन शुरू होने से पहले सीएमआरएस निरीक्षण और फायर एनओसी मिलना जरूरी है। यही दो अंतिम औपचारिकताएं फिलहाल उद्घाटन की राह में बाकी हैं। संभावना जताई जा रही है कि इस महीने के अंत तक ये तकनीकी मंजूरियां मिल जाएंगी। यदि सब कुछ तय समय पर हुआ, तो पटना मेट्रो का पहला चरण जल्द ही यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। शुरूआती संचालन में खेमनीचक स्टेशन फिलहाल बंद रहेगा, क्योंकि वहां इंटरजंक्शन वर्क अभी जारी है। ऐसे में पहले चरण में मेट्रो सीधे भूतनाथ से मलाही पकड़ी के बीच चलेगी। पटना मेट्रो के शुरू होने से राजधानी की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा।

# गरीब-मजदूर और छात्रों को बड़ी राहत : बिहार में अब आसानी से मिलेगा 5 किलो का छोटू सिलेंडर

**एजेंसी। पटना**

भारत पेट्रोलियम की ओर से शुरू की गई 5 केजी एलपीजी सिलेंडर योजना आम लोगों, छोटे कारोबारियों और सीमित जरूरत वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है। कम मात्रा में गैस की जरूरत रखने वालों को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह योजना तेजी से लोकप्रिय हो रही है, क्योंकि इसमें सुविधा, किफायत और आसान उपलब्धता तीनों का खास ध्यान रखा गया है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि 5 किलो का यह मिनी गैस सिलेंडर हल्का, पोर्टेबल और आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। पारंपरिक बड़े सिलेंडरों की तुलना में इसे उठाना और इस्तेमाल करना बेहद सरल है। खास बात यह है कि इसे लेने के लिए लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। उपभोक्ता सिर्फ पहचान पत्र दिखाकर इसे प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय और परेशानी दोनों की बचत होती है। यह सुविधा खासकर छोटे दुकानदारों, स्ट्रीट फूड वेंडर्स, ठेला चलाने वालों, छात्रों, किराये के मकानों में रहने वाले परिवारों और अस्थायी निवास करने वालों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है। ऐसे लोग, जिन्हें बड़े सिलेंडर की जरूरत नहीं होती या जो स्थायी कनेक्शन नहीं ले पाते, उनके लिए यह योजना बेहद कारगर विकल्प बनकर उभरी है। भारतगैस मिनी 5 सिलेंडर छोटे व्यवसायों को भी मजबूती दे रहा है। चाय दुकानों, नाश्ते के ठेलों, फास्ट फूड स्टॉल और छोटे होटल संचालकों को अब कम लागत में गैस उपलब्ध हो रही है, जिससे उनका काम सुचारु रूप से चल रहा है। इससे न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि नए रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। इस योजना का एक बड़ा सामाजिक पहलू भी है। सरकार का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों तक स्वच्छ ईंधन पहुंचाना है, ताकि लकड़ी, कोयला और मिट्टी तेल जैसे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हो सके। इन ईंधनों से निकलने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है, जबकि एलपीजी एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। भारतगैस मिनी सिलेंडर इस बदलाव को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी यह योजना लाभकारी साबित हो रही है, जहां बड़े सिलेंडरों का परिवहन या भंडारण कठिन होता है। कम आकार के कारण इसे आसानी से पहुंचाया जा सकता है और सीमित जगह में रखा भी जा सकता है।